

## अनुक्रमणिका

अध्याय	विषय वस्तु	पृष्ठ संख्या
	कृतज्ञता ज्ञापन	i
	प्राक्कथन	ii
प्रथम अध्याय	नारद का परिचय एवं काल निर्धारण	1-39
1:1	पं० नारद का काल निर्धारण एवं परिचय	1
1:1:1	वैदिक साहित्य से वेदांगो मे नारद	9
1:1:1:1	ऋग्वेद	10
1:1:1:2	यजुर्वेद	10
1:1:1:3	अथर्ववेद	11
1:1:1:4	सामवेद	11
1:1:1:5	छन्दोग्योपनिषद्	12
1:1:1:6	नारदीय शिक्षा	12
1:1:1:7	नारद भक्तिसूत्र	12
1:1:1:8	नारद पंचरत्न	13
1:1:1:9	स्मृति ग्रन्थों में नारद स्मृति	13
1:1:1:10	ज्योतिष शास्त्र में नारद	13
1:1:2	रामायण से महाभारत काल में नारद	14
1:1:2:1	बाल्मीकि रामायण में	14
1:1:2:2	महाभारत में महर्षि नारद	15
1:1:3	पुराणों से लौकिक साहित्य में नारद	16
1:1:3:1	ब्रह्म पुराण	17
1:1:3:2	स्कन्द पुराण	18

1:1:3:3	मत्स्य पुराण	21
1:1:3:4	अग्नि पुराण	22
1:1:3:5	भागवत पुराण	22
1:1:3:6	वारह पुराण	24
1:1:3:7	ब्रह्मावैवर्त पुराण	25
1:1:3:8	पद्म पुराण	25
1:1:3:9	मार्कंडेय पुराण	27
1:1:3:10	नारद पुराण	27
1:1:3:11	लिंग पुराण	27
1:1:3:12	भविष्य पुराण	27
1:1:3:13	ब्राह्मण पुराण	27
1:1:3:14	वामन पुराण	27
<b>1:2</b>	पं० नारद कृत संगीत मकरंद के पूर्वचार्य एवं उनके ग्रन्थ	28
1:2:1	ब्रह्मा	28
1:2:2	शिव शंकर	28
1:2:3	स्वाति मुनि	29
1:2:4	नंदिकेश्वर अर्थात् तंडु	29
1:2:5	तुंबुरु ऋषि	30
1:2:6	विशाखिल	31
1:2:7	विश्ववसु	31
1:2:8	अर्जुन	31
1:2:9	अश्मकुट्ट तथा नखकुट्ट	31
1:2:10	बादरायण तथा शातकर्णी	31
1:2:11	भरत कृत नाट्यशास्त्र	32

1:2:12	दत्तिल (दत्तिलम)	32
1:2:13	मतंग (वृहददेशी)	33
1:2:14	कोहल (कोहलमतम)	34
1:2:15	शार्दूल (हस्तभिनय)-	35
1:2:16	कश्यप	35
<b>1:3</b>	पं० नारद कृत संगीत मकरंद के समकालीन आचार्य एवं उनके ग्रन्थ	35
1:3:1	यष्टिक	35
1:3:2	रुद्रट	35
1:3:3	अभिनव गुप्त	35
<b>1:4</b>	पं० नारद कृत संगीत मकरंद के परवर्ती आचार्य एवं उनके ग्रन्थ	36
1:4:1	नान्यदेव कृत (सरस्वती हृदयलंकार-भरत भाष्यम)	36
1:4:2	शारंग देव (संगीत रत्नाकर)	37
1:4:3	आचार्य पार्श्व देव (संगीत समय सार)	37
1:4:4	सुधा कलश (संगीतोपनिष्सारोद्धार)	38
1:4:5	शुभांकर (संगीत दामोदर)	38
1:4:6	संगीत पारिजात	39
1:4:7	पुंडरिक विट्ठल (नृत्य निर्णय)	39
1:4:8	श्री कंठ (रस कौमुदी)	39
<b>द्वितीय अध्याय</b>	<b>संगीत मकरंद का अध्ययन</b>	<b>42-240</b>
<b>2:1</b>	संगीत मकरंद ग्रन्थ की विवेचना	42
<b>2:2</b>	संगीत मकरंद के अध्याय	44
2:2:1	सङ्गीताध्याये प्रथम पाद-नाद के प्रकार	47
2:2:2	सङ्गीताध्याये द्वितीय पाद-गीतों का स्वरूप	100

2:2:3	सङ्गीताध्याये तृतीय पाद-रागों की परिभाषा	110
2:2:4	सङ्गीताध्याये चतुर्थ पाद-मृदंग व वीणा के लक्षण	157
2:2:5	नृत्याध्याय प्रथम पाद- नृत्य के लक्षण	177
2:2:6	नृत्याध्याय द्वितीय पाद-तालो के लक्षण	196
2:2:7	नृत्याध्याय तृतीय पाद- तालो के नाम पर विचार	212
2:2:8	नृत्याध्याय चतुर्थ पाद- मृदंग एवं उसकी वादन कला	233
<b>तृतीय अध्याय</b>	<b>संगीत मकरंद में वर्णित अवनद्ध वाद्यों का अध्ययन</b>	<b>241-276</b>
<b>3:1</b>	संगीत मकरंद के पूर्वावर्ती ग्रंथों में वर्णित अवनद्ध वाद्यों का अध्ययन	246
3:1:1	ऋग्वेद	246
3:1:2	यजुर्वेद	248
3:1:3	अथर्ववेद	248
3:1:4	महाभारत काल में अवनद्ध वाद्यों का उल्लेख	250
3:1:5	नाट्यशास्त्र के अवनद्ध वाद्यों का उल्लेख	251
3:1:5:1	पणव	251
3:1:5:2	दर्दुर	252
3:1:5:3	मृदंग	252
3:1:5:4	पटह	253
3:1:5:5	झल्लरी	254
<b>3:2</b>	संगीत मकरंद में वर्णित अवनद्ध वाद्यों का अध्ययन	255
3:2:1	संगीत मकरंद में वर्णित अवनद्ध वाद्यों की अर्थ सहित व्याख्या	256
3:2:1:1	आलिङ्ग/आलिङ्गक	259
3:2:1:2	कटक	259
3:2:1:3	ढक्का	259

3:2:1:4	डमरूगा/डमरू	260
3:2:1:5	डिंडिमा	260
3:2:1:6	मड्डुक	261
3:2:1:7	झर्झर	261
<b>3:3</b>	संगीत मकरंद के परवर्ती ग्रंथों में वर्णित अवनद्ध वाद्यों का अध्ययन	262
3:3:1	सोमेश्वर देव कृत मानसोल्लास	262
3:3:2	नान्यदेव कृत सरस्वती हृदयलंकार (भरत भाष्यम)	263
3:3:3	शारंगदेव कृत संगीत रत्नाकर	263
3:3:3:1	पटह	264
3:3:3:2	मर्दल (मृदंग)	265
3:3:3:3	हुडुक्का	265
3:3:3:4	करटा	266
3:3:3:5	घट	266
3:3:3:6	घडस	267
3:3:3:7	ढवस	267
3:3:3:8	ढक्का	268
3:3:3:9	कुडुक्का	268
3:3:3:10	कुडुवा	268
3:3:3:11	रूंजा	268
3:3:3:12	डमरू	268
3:3:3:13	डक्का	269
3:3:3:14	मण्डिडक्का	269
3:3:3:15	डक्कुली	269
3:3:3:16	सेल्लुका	269

3:3:3:17	झल्लरी	270
3:3:3:18	भाण	270
3:3:3:19	त्रिवली	270
3:3:3:20	दुन्दुभि	271
3:3:3:21	भेरी	271
3:3:3:22	निःसाण	271
3:3:3:23	तुम्बकी	272
3:3:4	आचार्य पार्श्वदेव कृत संगीत समय सार	272
3:3:4:1	करडा	273
3:3:4:2	पटह	273
3:3:4:3	हुडुक्का	273
3:3:4:4	ढक्का	273
3:3:4:5	मृदंग	273
3:3:5	सुधाकलश कृत संगीतोपनिषद्सारोद्धार	273
3:3:6	राणा कुंभा कृत संगीत राज	274
3:4	संगीत मकरंद में वर्णित अवनद्ध वाद्यों की उपादेयता	274
<b>चतुर्थ अध्याय</b>	<b>संगीत मकरंद में वर्णित तालों का अध्ययन</b>	<b>277-309</b>
<b>4:1</b>	संगीत मकरंद के पूर्वावर्ती ग्रंथों में वर्णित तालों का अध्ययन	281
4:1:1	भरतमुनि कृत नाट्यशास्त्र	282
4:1:2	आचार्य दत्तिल कृत दत्तलिम	285
4:1:3	मतंगमुनि कृत बृहद्देशी	286
<b>4:2</b>	संगीत मकरंद में वर्णित तालों का अध्ययन	286
4:2:1	संगीत मकरंद ग्रंथ के अनुसार तालों के नाम, चिन्ह व मात्रायें	287
<b>4:3</b>	संगीत मकरंद के परवर्ती ग्रंथों में वर्णित तालों का अध्ययन	290

4:3:1	सोमेश्वर कृत मानसोल्लास	290
4:3:2	संगीत चूड़ामणि प्रताप चक्रवर्ती (जगदेकमल)	291
4:3:3	पार्श्वदेव कृत सङ्गीतसमयसार	291
4:3:4	पंडित शारंगदेव कृत संगीत रत्नाकर	292
4:3:5	सुधाकलश कृत सङ्गीतोपनिषत्सारोद्धार	294
4:3:6	पुंडरिक विट्ठल कृत नृत्य निर्णय	294
<b>4:4</b>	<b>संगीत मकरंद में वर्णित ताल प्रबंध का अध्ययन</b>	<b>295</b>
4:4:1	त्रिभंगी	295
4:4:2	चतुर्मुख	295
4:4:3	पंच ताल प्रबंध	295
4:4:4	षट ताल प्रबंध	295
4:4:5	मार्तण्ड जयादा	295
4:4:6	अष्टमंगल	295
4:4:7	नव ताल प्रबंध	296
4:4:8	दश रूप प्रबंध	296
4:4:9	एकादश ताल प्रबन्ध	296
4:4:10	द्वादश ताल प्रबन्ध	296
<b>4:5</b>	<b>संगीत मकरंद में वर्णित ताल के दश प्राणों का अध्ययन</b>	<b>297</b>
4:5:1	काल	298
4:5:2	मार्ग	298
4:5:3	क्रिया	300
4:5:4	अंग	301
4:5:5	ग्रह	303
4:5:6	जाति	303

4:5:7	कला	305
4:5:8	लय	305
4:5:9	यति	305
4:5:10	प्रस्तार	306
4:6	संगीत मकरंद में वर्णित तालों की उपादेयता	307
	<b>उपसंहार (conclusion)</b>	<b>309-311</b>
	<b>संदर्भ ग्रंथ सूची</b>	
<b>शोध लेख-1</b>	<b>ISSN 2319-9318 Vidhyawarta Pg.027-032</b> संगीत मकरंद के रचनाकार पंडित नारद का काल निर्धारण	
<b>शोध लेख-2</b>	<b>ISSN 0975-5217 Bhairvi Pg.72-79</b> संगीत मकरंद ग्रंथ में वर्णित एकोत्तरशत ताल का अध्ययन	
<b>शोध लेख-3</b>	<b>ISSN-2319-9695 Sangeet galaxy e journal Pg.137-147</b> ताल के दश प्राण" संगीत मकरंद के विशेष संदर्भ मे	